पर्दाफाश

मामला नियम विरुद्ध मशीनों के उपयोग एवं फर्जी बिलिंग का, विभाग में मचा हड़कम्प

नहर सफाई में हुए भ्रष्टाचार पर प्रमुख अभियंता ने दिए जांच के आदेश

केवलारी, नवभारत। विगत दिनों नवभारत समाचार में 'नहरों की सफाई में हो रही खानापूर्ति' नामक शीर्षक का प्रकाशन किया गया था। जिसमें पत्रकार प्रवीण दुबे द्वारा जल संसाधन विभाग में नहरों की सफाई को लेकर की जा रही लापरवाही और भ्रष्टाचार को लेकर विस्तार से खुलासा किया था।

समाचार में नहर सफाई के नाम पर नियम विरुद्ध मशीनों का उपयोग, फर्जी बिलिंग और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत को उजागर किया गया था।

नहरों के मरम्मत कार्य के नाम पर हो रही खानापूर्ति

काम हजार का और बिल लगेंगे लाखों के, कार्यवाही की मांग

केवलारी नवभारत। सिवनी जिले में रबी सीजन की सिंचाई के लिए संजय सरोवर भीमगढ़ बांध से नहरों (कैनाल) में पानी छोड़ने की तैयारी जोरों पर है। लेकिन नहरों की दयनीय हालत किसानों के लिए मुसीबत बन सकती है।

12 जेसीबी, 3 पोकलैंड मशीनों के नाम पर फर्जीवाड़ा

केवलारी सिंचाई विभाग के ई. प्रेमनारायण नाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संजय सरोवर भीमगढ़ बांध से निकलने वाली आर बी सी एवं एल बी सी नहरों की मरमत एवं सफाई कार्य के लिए कुल 48 लाख रुपयों की राशि स्वीकृत हुई हैं, जिसे विभाग द्वारा 16 16 लाख रुपयों की तीन किस्तों में जारी किया जाएगा। इस कार्य के लिए वर्तमान मे 12 जेसीबी, 03 पोकलैंड मशीने एवं कुछ डंपर लगाए जाने की बात विभाग द्वारा बताई गई है जबकि इसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही है। विभागीय जानकारी के अनुसार अमाकोला, कन्हीवाड़ा, हिनोतिया, छुई मोहगांव, भालीवाड़ा, धानागाढ़ा, बड़ी डोकररंजी, सरेखा, ढुटेरा, जामुनपानी, कुड़ारी, मलारा, घुड़सार, चौरापाठा एवं सुनहरा सहित अन्य जगहों की किनालो पर मरमत कार्य जारी है। जबकि जमीनी हकीकत में नजारा कुछ ओर ही देखने को मिला है, जिसे हमारे कैमरों ने कैद कर लिया है।

फर्जी बिल में इंजीनियर, एसडीओ की हिस्सेदारी

वही विभागीय सूत्रों की माने तो मरमत के इस कार्य मे इंजीनियर, एसडीओ सहित हर जिम्मेदार अधिकारी द्वारा सेटिंग से अपने करीबियों की जेसीबी, पोकलैंड मशीन लगाई गई है। इन जेसीबी संचालको और विभागीय जिम्मेदारो के द्वारा किए गए कार्य से कई गुने बिल लगाकर सरकार को लाखो का चुना लगाकर भ्रष्टाचार किया जाता है जो इस बार भी देखने को मिल सकता है। आपको बता दे कि प्रतिवर्ष हेड एवं टेल के किसानो मे सिचाई के पानी के लिए जंग छिड़ती है, लॉं एंड ऑर्डर की स्थिति निर्मित होती है। किसान अपने-अपने खेतो से निकलकर सड़को पर आने को मजबूर होते है, इसके बावजूद भी जब नहरो का मरमत कार्य चल रहा है तो मौके पर सिचाई विभाग के सब इंजीनियर, एसडीओ इत्यादि जिम्मेदार अधिकारी मौके पर तैनात नही दिख रहे है, हा कुछ एक स्थान पर क्षेत्र के चौकीदार मशीन के साथ खड़े नजर आए। इन परिस्थितियों में निश्चित ही लापरवाही होगी, किनालो के मरम्मत कार्य मे लीपापोती होगी, जिसका खामियाजा भविष्य मे टेल के किसानो को भुगतना पड़ेगा।

इनका कहना है

हमारे द्वारा तेजी से काम किया जा रहा है 70 से 80 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। हम 1 नवंबर तक नहर चालू करने की स्थिति मे होंगे

प्रेमनारायण नाग, इंजीनियर

12 जेसीबी, 3 पोकलैंड मशीनों के नाम पर फर्जीवाड़ा

केवलारी सिंचाई विभाग के ई. प्रेमनारायण नाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संजय सरोवर भीमगढ़ बांध से निकलने वाली नहरों की सफाई के लिए 12 जेसीबी, 03 पोकलेंड माशीने एवं कुछ डंपर लगाए जाने की बात बताई गई है जबकि इसकी जमीनी हकीकत कुछ और ही है। आज भी नहरों में कचरा मिट्टी भरी पड़ी है जिसकी सफाई करना बहुत आवश्यक है परंतु विभाग द्वारा नहरों की सफाई के लिए लाखों रुपए स्वीकृत किए गए थे जिसमें विभाग के जिम्मेदार ही नियत लगाए बैठे हैं ।

एक ही फर्म के बिल लगाकर किया जा रहा भ्रष्टाचार

आपको बता दें कि विभाग के भ्रष्ट अधिकारी फर्जीवाड़ा करने के लिए एक ही फर्म के नाम से 20 हजार से कम की राशि के अनेक बिल लगाते हैं चूंकि 20 हजार से अधिक के बिल लगाने हेतु विभाग के उच्चाधिकारियों से अनुमति लेना अनिवार्य होता है और इन सब से बचें हेतु ये भ्रष्ट अधिकारी 20 हजार के दर्जनों बिल लगाकर लाखों की राशि अपने करीबी फार्म के खाते में डालते हैं जिसके बाद फार्म संचालक अपना कमीशन काटकर पूरा पैसा इन भ्रष्ट अधिकारियों को वापस कर देते हैं। इस पूरे भ्रष्टाचार में नीचे से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक पैसे पहुंचाया जाता है ताकि किसी भी शिकायत के बाद जांच में इस भ्रष्टाचार को दबाया जा सके।

सात दिनों के अंदर प्रतिवेदन देने के दिए निर्देश

नव भारत खबर का असर

इस खबर को गंभीरता से लेते हुए जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता, श्री विनोद कुमार देवड़ा (जल संसाधन भवन, भोपाल) ने संज्ञान लेते हुए दिनांक 29 अक्टूबर को पूरे मामले की जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। जिसके बाद श्री ए के डहेरिया, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग सिवनी द्वारा अधिक्षण यंत्री, जल संसाधन विभाग को इस पूरे मामले की जांच 7 दिवा के अंदर करने के आदेश दिए गए हैं। प्रमुख अभियंता के इस निर्देश के बाद विभागीय अमले में हड़कंप मचा हुआ है।

अधिकारी कर रहे बचाव

सूत्रों के अनुसार जांच के आदेश लगते ही विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अपनी भूमिका को लेकर बचाव में लग गए हैं और अब इस प्रकरण को दबाने तथा खुद को सुरक्षित रखने के लिए नए-नए हथकंडे अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं कई अधिकारी आपस में समन्वय बैठाने और दस्तावेजों को सही ठहराने में जुट गए हैं। अब जनता की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि नहर सफाई में हुए भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर विभाग क्या ठोस कार्रवाई करता है। क्या दोषियों पर सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाएंगे, या फिर साठगांठ के चलते मामले को रफा-दफा करने की कोशिश होगी—यह आने वाले दिनों में साफ़ होगा। नवभारत की पड़ताल से उजागर हुए इस मामले ने एक बार फिर साबित किया है कि सत्य को सामने लाने वाली पत्रकारिता आज भी व्यवस्था को सुधारने की ताकत रखती है।

उपार्जन केंद्र उगली पहुंचे एसडीएम, देखीं व्यवस्थाएं

▶ नायब तहसीलदार के साथ किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

उगली। गत दिवस उगली धान उपार्जन केंद्र में एसडीएम सर ने औचक निरीक्षण किया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान नायब तहसीलदार के. एल. राउत और स्टाफ केंद्र आपरेटर से. सह. समीती उगली दिनेश ठाकरे भी मौजूद थे,

एसडीएम सर ने टेक्निकल प्राब्लम, स्लाट बुकिंग, और सर्वेयर समस्या जैसे मुद्दों पर चर्चा की और उच्च अधिकारियों से बात कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उनका उद्देश्य किसानों को धान बेचने में किसी भी प्रकार की समस्या न हो, यह सुनिश्चित करना था।

इस निरीक्षण के दौरान, एसडीएम सर एफ ए क्यू के अंतर्गत केंद्र की तौल व्यवस्था, बारदाना की उपलब्धता, गुणवत्ता परीक्षण, नमी माप मशीन, और स्टैक यार्ड की स्थिति का भी जायजा लिया। उन्होंने किसानों के लिए पीने के पानी और बैठने की व्यवस्था को भी बेहतर बनाने के निर्देश दिए, और केंद्र संचालकों को स्पस्ट निर्देश दिये की साफ और छन्ना लगाकर धान तौल करें, मौसम को देखते हुए, पाल त्रिपाल की समुचित व्यवस्था करें, रात्री के समय सेक्युरिटी का इंतजाम करें।

उगली उपार्जन केंद्र में बारह नवंबर तक के स्लाट किसानों के बुक हो चुके हैं, अनुभव और सर्वर की समस्या के कारण स्लाट बुक करने में समस्या देखी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने रक्तदान कर दिया जागरूकता का संदेश

सिवनी नवभारत। रक्त घायलों व जरूरतमंदों के काम आता है। यह एक प्रकार की सबसे बड़ी सेवा है। श्रद्धा के साथ इसमें सेवा लगती है और यह रक्तदान की सेवा तन-मन-धन से लोग करते हैं। उक्ताशय की बात शुक्रवार को पुलिस लाइन में आयोजित एचडीएफसी बैंक सिवनी व पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्त दान शिविर में पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता ने कही।

▶ शिविर में 34 यूनिट एकत्रित हुआ रक्त

वहीं रक्षित निरीक्षक ने कहा कि आज जो भी पुलिस कर्मी रक्तदान करेंगे उन्हें एक दिन का स्वैच्छिक अवकाश दिया जाएगा। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में महिला व पुरुष पुलिस बल ने रक्तदान किया। रक्तदान की शुरुआत सर्वप्रथम पुलिस अधीक्षक ने स्वयं रक्तदान देते हुए की। इस अवसर पर एचडीएफसी बैंक के ब्रांच मैनेजर मोहित शर्मा विप्लव चौरसिया व यूनिट हेड राघव, स्वास्थ्य विभाग से राजेश तिवारी एसके डेहरिया आदि मौजूद थे।

इन्होंने भी किया रक्त का दाल

पुलिस लाईन में आयोजित रक्तदान शिविर में 34 लोगों ने रक्त दान किया। रक्तदान दाताओं में सुनील मेहता, दिनेश बोपचे, अजय खैरवार, पवन भलावी, देवेंद्र साहू, शिवपाल बघेल, भेजेंद्र कुमार, दिनेश भांगोर, मोतीराम श्रीवास, दीपक भारती, हरि कृष्ण चौहान, अजय कुमार, देवेंद्र सनोडिया, गजेंद्र, रवि शंकर कटरे, शिवम तिवारी, रिदय, मूलचंद इनवाती, कपिल बघेल, निलेश राजपूत, जितेंद्र रावतकर, गंगा डहरवाल, विप्लव चौरसिया, सूर्यांश भांगरे, हिमांशु पटेल, मोहित शर्मा, सुरेंद्र कुमार तिवारी, अतुल रांहगडाले, मनीष सिंह लोधी, राघव शर्मा, प्रवीण बेनीराम, अरविंद वंशकार, सुनील सोनी, प्रतिभा शर्मा ने रक्तदान किया।

बका के साथ एक आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

सिवनी। पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता द्वारा जिलें एवं नगर में हो रही चाकूबाज़ी की घटनाओं की रोकथाम हेतु संदिग्धों एवं आरोपियों को शीघ्र अति शीघ्र धरपकड़ करने हेतु निर्देशित किया गया है जो एएसपी दीपक मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सिवनी श्रीमती श्रृध्दा सोनकर के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस सिवनी द्वारा अवैध हथियार लिए शहर में घूमने वाले व्यक्तियों की तलास पतासाजी कर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम दिनांक 04/12/2025 को सूचना मिली कि मिशन स्कूल के पास में एक व्यक्ति अपने हाथ में धारदार लोहे का बका लिए आने जाने वालों को डरा धमका रहा है सूचना पर तत्काल थाना कोतवाली मौके पर रेड़ कार्रवाई हेतु रवाना हुई जो एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे स्टाफ एवं गवाहों की मदद से घेराबंदी कर पकड़ा गया जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम रविशंकर नंदनवार पिता हरिप्रसाद नंदनवार उम्र 60 वर्ष निवासी कबीर वार्ड थाना डुण्डासिवनी का होना बताया जिसकी तलासी लेने पर एक अवैध लोहे का धारदार बका मिला जिसके विरूध्द 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया हैं। रविशंकर नंदनवार पिता हरिप्रसाद नंदनवार उम्र 60 वर्ष निवासी कबीर वार्ड थाना डुण्डासिवनी जिला सिवनी के नाम शामिल हैं।

जादू नहीं विज्ञान का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

सिवनी। बीते दिवस जादू नहीं विज्ञान है समझना समझाना आसान है के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी में हुआ। आयोजन में सभी 08 विकासखण्डों से चयनित विद्यार्थियों की एक-एक टीम ने भाग लिया। सभी विकासखण्ड की टीमों ने विज्ञान के चमत्कारिक । जादूई प्रयोगों को रोमांचक तरीके से मंच पर प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की टीम ने बिना माचिस की तिली के आग लगाना, नीबू से फेक ब्लड निकालना, हाथ पर कपूर जलाना और बिना किसी नुकसान के उसे खा लेना, पीलिया झाड़?ना जैसे अनेक रोचक प्रयोगों का प्रदर्शन नाटकीय ढंग से प्रस्तुत किया। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने इन सभी रोमांचक प्रयोगों का वैज्ञानिक तरीकों से व्याख्या करते हुए बताया कि इन चमत्कारिक प्रयोगों का उपयोग कर अनेक ढोंगी लोग जनता को लूटते हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी सिवनी श्री एस. एस. कुमरे एवं शासकीय कन्या माध्यमिक शाला गंगेरूआ के शिक्षक डॉ दिनेश गौतम ने अपने उद्?बोधन में इस कार्यक्रम के समूचे प्रदेश में क्रियान्वन का श्रेय संस्था के प्राचार्य महेश गौतम को दिया। संस्था के प्राचार्य महेश गौतम ने बताया कि यह प्रोग्राम 2015-16 से प्रदेश के सभी शासकीय हाई/हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में संचालित हो रहा है। बच्चे विज्ञान के प्रति जागरूक हो रहे हैं और उनकी जागरूकता से समाज में भी जागरुकता आ रही है और समाज में व्याप्त अंधविश्वास से पर्दा हट रहा है। समाज में अंधविश्वास के कारण घटने वाली जादू-टोना की घटनाओं में कमी आ रही है। प्राचार्य महेश गौतम का कहना है कि आगामी वर्षों में इस गतिविधि को और भी रोचक एवं ज्ञानवर्धक बनाना है ताकि बच्चे विज्ञान के प्रते अधिक से अधिक जागरूक हो सके तथा समाज में व्याप्त अंधविश्वास को जड़ से समाप्त किया जा सके।

आज की प्रतियोगिता के आयोजन में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सिवनी की टीम आयोजक की भूमिका में थी। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान का चयन शेष 07 विकासखण्डों से आयीं टीमों से किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बरघाट, द्वितीय स्थान शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखनादौन एवं तृतीय स्थान शासकीय उ.मा.वि. कहानी ने प्राप्त किया। शेष विकासखण्डों से आयों टीमों को सान्तवना पुरस्कार एवं मोमेन्टो प्रदान किया गया। निर्णायक मण्डल के सदस्य श्रीमति डैजी जैन प्राचार्य शासकीय उ. मा. वि. हथनापुर, श्रीमति आभा सिंह प्राचार्य शासकीय कन्या मठ उ.मा.वि. सिवनी एवं डॉ दिनेश गौतम को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्राध्यापक श्री चन्द्रशेखर तिवारी, सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री शशिकांत नेमा, सेवानिवृत्त व्याख्याता श्री एस. के. शुक्ला, श्री भूपेन्द्र बघेल उ.मा.शिक्षक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बरघाट की विशेष उपस्थिति रही। मंच संचालन श्रीमति कल्पना भार्गव एवं सुश्री साक्षी बोरकर द्वारा किया गया।

बिना धान और तुलाई के दे दिए एडवांस बिल

▶ गुर्रापाठा और अरी केंद्रों में बड़ा घोटाला उजागर

सिवनी। जिले के गुर्रापाठा ग्राउंड और अरी धान खरीदी केंद्रों पर 2 दिसंबर 2025 को खुलेआम धांधली का मामला सामने आया है। शिकायतकर्ता अजय मेश्राम ने कलेक्टर को दिए आवेदन में पूरे प्रकरण का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा है कि दोनों केंद्रों पर न धान आया, न तुलाई हुई, न सिलाई, न टेगिंग—फिर भी पोर्टल पर एडवांस खरीदी दिखाकर बिल काट दिए गए।

सुबह करीब 10 बजे गुर्रापाठा केंद्र के लिए 50 क्विंटल (125 बोरी) और अरी केंद्र के लिए 40 क्विंटल 80 किलो (124 बोरी) का एडवांस बिल काट दिया गया, जबकि शिकायत के समय केंद्रों पर एक भी बोरी मौजूद नहीं थी। समूहों के पास एम.पी.एस. सी.एस.सी. का बारदाना उपलब्ध नहीं था, न बारदाना वितरण का कोई आदेश जारी हुआ था, और न ही घर से बोरी लाने का कोई प्रमाण देखा गया।

शिकायत पर पहुंचे कृषि विस्तार अधिकारी ने मौके पर पंचनामा तैयार किया, जिसमें साफ दर्ज हुआ कि न तुलाई हुई, न टेग लगे, न बोरियां थीं और न धान। किसी भी प्रकार का भौतिक संकलन कार्य मौजूद न होने के बावजूद पोर्टल पर अवैध खरीदी दर्शाकर एडवांस बिल काट दिए गए। अजय मेश्राम ने अपनी शिकायत में गंभीर आरोप लगाए हैं कि फूड ऑफिसर प्रतीक तिवारी और ऑपरेटर दीपक श्रीवास की मिलीभगत से केंद्रों का आवंटन तक तय होता है और कुछ केंद्र 'बेचे' जाते हैं। आरोप है कि प्रतीक तिवारी जब तक अपने मनपसंद समूहों को केंद्र न दिला दें, तब तक कार्यालय ही नहीं छोड़ते। विंध्याचल भवन के सौरभ जैन और राहुल शुक्ल पर भी फाइलों से कागज गायब कर ड्रॉप-डाउन में हेरफेर करने और मनचाहे समूहों को केंद्र दिलाने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि इन सभी के फोन कॉल, व्हाट्सऐप कॉल और फोन-पे व गूगल-पे लेनदेन की जांच कराई जाए। अधिकारी प्रमोद दुबे का नाम भी इस पूरे नेटवर्क में शामिल बताया गया है।

अजय मेश्राम ने घटना की जानकारी जिला पंचायत सी.ई.ओ. और कृषि विस्तार अधिकारी को फोन पर देकर मौके पर बुलवाया, जिसके बाद तैयार पंचनामा को आगे की कार्रवाई के लिए तहसीलदार को भेजा गया। शिकायत में दोनों केंद्रों को सील करने, संबंधित समूहों को ब्लैकलिस्ट करने, फर्जी एडवांस एंट्री तत्काल निरस्त करने, केंद्र प्रभारी-प्रबंधक-ऑपरेटर पर एफ.आई.आर. दर्ज करने और नई समिति के माध्यम से खरीदी संचालन की मांग की गई है। साथ ही संपूर्ण जांच प्रतिवेदन और कार्रवाई के दस्तावेज उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है।

विधायक ने परीक्षा केंद्र आरंभ करने सदन में उठाई मांग

सिवनी। सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय मुनमुन ने प्रतियोगी परीक्षाएं हेतु परीक्षा केंद्र आरंभ करने सदन मे मांग रखी ।जारी मध्यप्रदेश विधानसभा शीतकालीन सत्र के शून्यकाल मे विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा सिवनी नगर मुख्यालय में स्थित पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में ऑन लाईन प्रतियोगी परीक्षाएँ आयोजित कराये जाने के लिए परीक्षा केन्द्र प्रारंभ कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया है।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने आगे कहा कि सिवनी जिले के छात्र-छात्राओं को ऑनलाईन परीक्षा के लिए सिवनी से दूरस्थ जिलों में जाना पड़ता है, जिससे इन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है साथ ही परीक्षार्थियों के परिजनों को भी परेशानियां होती हैं। सिवनी जिले से दूरस्थ महानगरों में परीक्षा केन्द्र तक पहुँचने के सुलभ साधन उपलब्ध नहीं हो पाने से समय पर परीक्षा केन्द्र भी नहीं पहुँच पाते हैं और प्रतियोगी परीक्षा से वंचित रह जाते हैं। श्री राय ने कहा कि विशेषकर

गृहग्राम पहुंचने पर अग्निवीर का सम्मान

केवलारी। पहली बार अपने ग्राम पहुंचने पर अग्नि वीर का हुआ भव्य स्वागत केवलारी सात महिने की अग्निवीर के प्रशिक्षण कर आशिष तेकाम पिता शिव प्रसाद तेकाम ग्राम रमतलैया बिछुआ माल्हनवाड़ा केवलारी द्वारा प्रथम बार गृह आगमन पर ग्रामवासियों एवं परिवारजनों द्वारा व प्राथमिक

विद्यालय के शिक्षकों द्वारा विद्यालय प्रांगण में भव्य स्वागत किया। फुफा जी अधिवक्ता विवेकानंद धुर्वे द्वारा मार्गदर्शन अग्निवीर आशिष को मिला और अंत में अग्निवीर द्वारा प्रशिक्षण के अनुभव कथन हुआ जिसे सुन गांव के वासी ओत प्रोत से भरे भारत माता की जयघोष कर कार्यक्रम की समाप्ति किया।

क्षमता से अधिक माल परिवहन करने पर वसूला जुर्माना

सिवनी। पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता के मार्गदर्शन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा के निर्देशन में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं। इसी कड़ी में यातायात पुलिस सिवनी द्वारा वाहन क्रं. MH-40-BG-8544 एवं वाहन क्रं. MP-22-H-1668 को चैकिंग के दौरान वाहन मे क्षमता से अधिक माल का परिवहन किया जा रहा था, इस प्रकार क्षमता से अधिक माल पाये जाने पर दोनो वाहनों पर चैकिंग दल के प्रभारी रघुवीर सिंह परिहार द्वारा क्रमशः 23,000/- एवं 26,000/- रूपये का जुर्माना वसूल किया जाकर कुल 49,000/- रूपये का समन शुल्क वसूल किया गया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने शुरू हुआ राष्ट्रीय अभियान

▶ सशक्त राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती अभियान की शुरुआत की गई

घंसौर, नवभारत। प्राकृतिक खेती के प्रचार-प्रसार और प्राकृतिक खेती के महत्व को बताने एवं किसानों को जैविक खेती की ओर प्रेरित करने की दृष्टि से नेचुरल फार्मिंग मिशन के अंतर्गत ऋष्ट योजना के अंतर्गत जिले के विकासखंड घंसौर के ग्राम छीतापार में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों का प्रशिक्षण एसएडीओ रश्मि राजनेगी कृषि विभाग की उपस्थित में आयोजित किया गया। अपने पूर्वजों से विरासत में मिले पारंपरिक ज्ञान पर आधारित किस रसायन मुक्त खेती के रूप में प्राकृतिक खेती की आदत डालेंगे जिसमें स्थानीय पशुधन एकीकृत प्राकृतिक खेती के तरीके विविध फसल प्रणाली आदि शामिल है प्राकृतिक खेती स्थानीय ज्ञान, स्थान विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर आधारित स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी सिद्धांतों का पालन करती है और स्थानीय कृषि पारिस्थितिकी के अनुसार विकसित होती है।

प्राकृतिक कम लागत वाली एवं स्वास्थ्य उन्मुख कृषि पद्धति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से घंसौर विकसित एग्री कृषक प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा मध्य प्रदेश में एक सशक्त राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती अभियान की शुरुआत की गई है। कंपनी प्राकृतिक खेती अभियान के अंतर्गत क्षेत्रीय कृषि ऋष्ट के रूप में किसानों का प्राकृतिक खेती प्रमाणन बड़े पैमाने पर कर रही हैं। यह अभियान देश में रसायन मुक्त टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अभियान की शुरुआत विगत 3 दिसंबर बुधवार को जनपद पंचायत घंसौर की ग्राम पंचायत छीतापार में आयोजित बड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों, युवाओं ओर महिलाओं को प्राकृतिक खेती की तकनीक वैज्ञानिक लाभ कम लागत खेती मॉडल तथा रोजगार एवं उद्यमिता अवसरों के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कृषक महिला, स्व सहायता समूह एवं युवा उद्यमियों ने भाग लिया। साथ ही एसएडीओ रश्मि राजनेगी कृषि विभाग, पूर्व सरपंच कोमल नेताम, उपसरपंच तुला राम नेताम, संदीप उईके पटवारी, गोरी शंकर धुर्वे (डायरेक्टर), राजेंद्र ठाकुर, दुर्गा प्रसाद परते, महेंद्र कुसरे सहित अनेक सम्माननीय जनों की उपस्थिति रही।